बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग २—वादंशाही—प्रश्नोत्तर रहित।)

शुक्रवार, तिथि ९ दिसम्बर, १९७७ ई०।

विषय-सूची

पृष्ठ सं०

गैर-सरकारी संकल्प :

(१) सचिवालय के सहायकों के वेतनमान का स्टेनोग्राफर के समरूप किया जाना : (वापस ले लिया गया)··· ४—१३

(२) जीवनोपयोगी वस्तुओं की बढ़ती कीमत को रोकने हेतु जन-वितरण प्रणाली से इनके वितरण की व्यवस्था : (वाद-विवाद जारी) ··· ··· १४ ३६

बिहार विधान-परिषद् से प्राप्त संदेश : ··· ··· ३६

शून्यकाल में चर्चाएं :

(१) बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के ईख के मूल्यों में एकरूपता लाने के सम्बन्ध में ··· ··· ३६—३८

(२) सहायक अनुभाजन पदाधिकारी श्री रामबचन सिंह, का स्थानान्तरण ··· ··· ··· ३८—३९

(३) खतवे जाति के लोगों को हरिजनों में शामिल करने के सम्बन्ध में ··· ··· ३९

(४) अररिया नगर (पूर्णिया जिला) के मार्केटिंग सेक्रेटरी द्वारा पाट की स्मगलिंग ··· ३९

गया कि स्थानान्तरण आदेश के एक दिन पूर्व उन्होंने बिहार के एक मंत्री के नीजी जीप के दो टायरों को अपने (श्री सिंह) खर्च से बदल नहीं दिये।

---

(३) खतवे जाति के लोगों को हरिजनों में शामिल करने के सम्बन्ध में।

श्री तेजनारायण झा—उपाध्यक्ष महोदय, उत्तरी बिहार में खतवे जाति के लोग अछूत माने जाते हैं। इस जाति के साढ़े ९९ प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। मजदूरी और कहारी के सिवाय दूसरा कोई साधन नहीं है। यह जाति १९६१ ई० के बाद चौपाल एवं खूरी के नाम से हरिजन वर्ग में शामिल था और तदनुसार सुविधायें मिलती थीं, जो अब बन्द कर दी गयी है। दक्षिणी बिहार में ये चौपाल और सूरी कहलाते हैं और ये सारी सुविधायें इन्हें मिलती हैं। ९६ प्रतिशत खतवे अशिक्षित हैं।

ऐसी दशा में इन्हें हरिजनों में शामिल कर सारी सुविधा देने का कष्ट सरकार करे।

---

(४) अररिया नगर (पूर्णिया जिला) के मार्केटिंग सेक्रेट्री द्वारा पाट की स्मगलिंग

* श्री दुर्गा दास राठौर—उपाध्यक्ष महोदय, पूर्णिया जिला अररिया नगर में स्थित मार्केटिंग सेक्रेट्री, श्री सहाय, क्षेत्रीय व्यापारियों से मिल कर पाट धड़ल्ले से नेपाल तथा बंगाल भेजवाने में सहायता कर रहे हैं, जिससे सरकार का लाखों रुपये का बिक्री-कर और उत्पाद-कर समाप्त हो गया है।

पूर्णिया जिले में पाट के तस्करी का सबसे बड़ा केन्द्र घुरना, बसमतिया, कुआड़ी, कुसाकाटा, कलियागंज है, जहाँ से हजारों मन पाट प्रतिदिन नेपाल में चला जाता है।

कुछ व्यापारियों के साथ श्री सहाय की सांठ-गांठ है। पाट भेजवाने में इन्हें ३ रुपया प्रतिमन की दर से आमदनी है। १० हजार मन से ज्यादा पाट प्रतिदिन नेपाल जाता है।

तत्काल इन्हें यहाँ से हटा कर जाँच करायी जाय और सरकार की इतनी बड़ी हानि को बचाया जाय।